नाम — रमेश यादव

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

सतत विकास– बर्टलैंड कमीशन 1987 की रिपोर्ट के अनुसार व्यक्ति की

भविष्य के संसाधनों पर पाबंदी लगाए बिना वर्तमान में विकास करना सतत विकास कहलाता है सतत विकास के संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 लक्ष्यों को निर्धारित किया है उसे 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 देशों ने मिलकर निर्धारित किया इसे 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है इसे एजेंडा 2030 नाम दिया गया है।

सतत विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित है

1. वैश्विक स्तर पर भुखमरी गरीबी को समाप्त करना।
2. प्रत्येक व्यक्ति के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना
3. गरीबी को समाप्त करना।
4. शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत बनाना तथा सभी के लिए शिक्षा उपलब्ध कराना।
5. मानव के विकास के लिए अच्छे योजनाएं की शुरुआत की जाए।
6. महिला एवं पुरुष में समानता लाने का प्रयास किया जाए आदि।

भारत के सतत विकास–भारत में सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भारत सरकार ने नीति आयोग को यह जिम्मेदारी दी है कि नीति आयोग द्वारा ऐसी योजनाएं का निर्माण किया जा रहा है जो सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होगा नीति आयोग में प्रधानमंत्री सभी राज्यों के मुख्यमंत्री केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होते हैं अतः नीति आयोग सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र एवं राज्य स्तर पर सामंजस बनाकर योजनाओं का निर्माण करेगा तो सतत विकास के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा।

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

चूंकि किसी भी देश के आर्थिक सामाजिक राजनीतिक विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है इसलिए युवा वर्ग की सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान है।

नेल्सन मंडेला ने कहा था कि किसी देश का युवा ही उस देश का भविष्य है अतः जब युवा वर्ग 7 4 होगा और राष्ट्रहित के लिए कार्य करेगा तथा ऐसा विकास करेगा जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बंधन ना हो तथा आज के लोगों के लिए विकास हो तो आसानी से सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है युवाओं में साक्षरता जागरूकता बढ़ाकर उनकी शक्तियों का अच्छे से सदुपयोग करके सरकारें भी लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं नीति आयोग वर्तमान में ऐसी कई योजनाओं को संचालित कर रहा है जो युवाओं को प्रेरित करने एवं राष्ट्र हित में उनके योगदान को सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे जम्मू कश्मीर में वर्तमान में अटल टिंकरिंग लैब को बढ़ावा दिए जाने के लिए योजना संचालित है युवाओं को राष्ट्र हित के लिए कार्य

करने के लिए प्रेरित किया जाएगा तो वह आवश्यक ही कार्य में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगे तथा राष्ट्र हित के साथ सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका राज्य सरकारें अगर केंद्र के साथ मिलकर सतत विकास के लिए योजनाओं का निर्माण करेंगे तो आसानी से इन लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

सतत विकास के कुल 17 लक्ष्यों में 169 उद्देश्य हैं वर्तमान में सभी संस्थाओं निकायों संवैधानिक एवं वैधानिक सभी इस पर कार्य कर रही है।

सतत विकास के लिए महिलाओं की भूमिका–

सतत विकास के 17 लक्ष्यों में से महिला सशक्तिकरण भी एक लक्ष्य है अतः इसमें महिलाओं की भी विशेष भूमिका है वर्तमान में भारत में केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा ऐसी कई योजनाएं संचालित हैं जो उनके उत्थान बढ़ावा देने में आर्थिक सामाजिक रुप से हैं।

Ramp , संभव स्वावलंबन योजना महिलाओं के लिए ही संचालित हैं और महिलाएं भी सतत विकास की प्राप्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है केंद्र सरकार भी सतत विकास के लिए योजनाएं का निर्माण कर रही है जिससे लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सके।

मिशन बल–समुद्रों महासागरों के संसाधनों की प्राप्ति भी सतत विकास के 17 लक्षणों में से एक है इससे ब्रिटेन व अमेरिका के कई वैज्ञानिकों ने प्रयास भी किए हैं 2009 में अमेरिका के वैज्ञानिक डॉ साल्विया अर्ल ने मिशन की शुरुआत की इसके अंतर्गत समुद्री और महासागरों के अंदर जोशी जी व संसाधनों वनस्पतियों का संरक्षण करना

भारत में दो क्षेत्र है लक्षद्वीप, अंडमान निकोबार

निष्कर्ष– सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका युवाओं की है लेकिन सिर्फ युवा वर्ग ही इसके सभी 17 लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं कर सकते इसके लिए केंद्र सरकार राज्य सरकार एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं एवं वैधानिक संस्थाओं निकायों को युवाओं के अंदर जागरूकता शिक्षित वर्गों को राष्ट्रहित के प्रति योगदान के लिए बढ़ावा देकर सम्मिलित रूप से सभी लक्ष्य एवं उद्देश्य की प्राप्ति की जा सकती है और युवाओं का इसमें बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहेगा भारत में विवेकानंद भगत सिंह जैसे युवाओं का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है।